चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	21.07.2021	--	--

दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र के वैज्ञानिकों से रूबरू हुए कुलपति, भविष्य के लिए दिए महत्वपूर्ण सुझाव

जैविक खेती की सभी फसलों की विकसित हों समग्र सिफारिशें : प्रो. काम्बोज

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	21.07.2021	--	--

जैविक खेती की सभी फसलों की विकसित हों समग्र सिफारिशें, कम जोत वाले किसानों को करें प्रेरित : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र के वैज्ञानिकों से रूबरू हुए कुलपति, भविष्य के लिए दिए महत्वपूर्ण सुझाव

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि दिनों दिन जैविक उत्पादों की तरफ आम आदमी का रूझान बढ़ रहा है, लेकिन जैविक खेती की ओर अभी भी कम किसान आगे आ रहे हैं। इसलिए भविष्य में वैज्ञानिक जैविक खेती की सभी फसलों की समग्र सिफारिशें विकसित करें और इसके लिए कम जोत वाले किसानों को भी ज्यादा से ज्यादा प्रेरित किया जाना चाहिए। वे विश्वविद्यालय के दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र के वैज्ञानिकों से समीक्षा बैठक के दौरान रूबरू हो रहे थे। उन्होंने कहा कि जैविक उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखने पर जोर दिया जाना चाहिए और इस प्रकार के शोध कार्यों को बढ़ावा दें जो प्रत्येक किसान की पहुंच में हो सके। साथ ही प्रत्येक किसान अपने खेत में उसका प्रयोग करने में समर्थ हो। कुलपति ने कहा कि एचएयू उत्तर भारत का अपने आप में एक अनूठा विश्वविद्यालय है जहां जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की गई है। इसलिए वैज्ञानिकों का कर्तव्य बनता है कि इस केंद्र के माध्यम से अधिक से अधिक किसानों को जैविक खेती के प्रति प्रेरित व जागरूक किया जाए। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दशकों में हमारे देश व प्रदेश में जैविक खेती के प्रति किसानों, कृषि वैज्ञानिकों व आम उपभोक्ताओं का रूझान बढ़ा है। जैविक उत्पादों को स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होने के साथ-साथ पौष्टिक, स्वादिष्ट व रसायनों से मुक्त होते हैं। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि अपने शोध प्रयोगों को इस तरह से आगे बढ़ाएं जिसमें आवश्यक सभी विषयों का समन्वय हो ताकि उपभोक्ताओं तक इसकी गुणवत्ता पहुंच सके। इसके अलावा अनुसंधान पहलुओं को टुकड़ों की बजाय एक पूरा पैकेज खोजा जाए जिसमें पैदावार, गुणवत्ता व प्रोसेसिंग शामिल हो। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने जैविक खेती के लिए सूक्ष्म सिंचाई विधि से फर्टीगेशन करने पर ड्रीपर बंद होने की संभावना का समाधान ढूंढने, फल वाले पौधों के बीच सब्जी व अन्य फसलों का अंतःकरण व विभिन्न फसलों का पूरे साल का फसल चक्र विकसित करने के लिए अनुसंधानों पर ध्यान देने पर जोर डाला।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ज्योति दर्पण	21 .07.2021	--	--

जैविक खेती की सभी फसलों की विकसित हों समग्र सिफारिशें, कम जोत वाले किसानों को करें प्रेरित-प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	22.7.21	2	5-6

जैविक उत्पादों की तरफ आम आदमी का रूझान बढ़ाः वीसी

वैज्ञानिकों से मिले एचएयू के वीसी ने बैठक में दिए दिशा-निर्देश

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू के वीसी प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि दिनों दिन जैविक उत्पादों की तरफ आम आदमी का रूझान बढ़ रहा है, मगर जैविक खेती की ओर अभी भी कम किसान आगे आ रहे हैं। इसलिए भविष्य में वैज्ञानिक जैविक खेती की सभी फसलों की समग्र सिफारिशें विकसित करें। इसके लिए कम जोत वाले किसानों को भी प्रेरित करें। वह विश्वविद्यालय के दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र के वैज्ञानिकों से समीक्षा बैठक में रूबरू हो रहे थे।

उन्होंने कहा कि जैविक उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखने पर जोर दिया जाना चाहिए और इस प्रकार के शोध कार्यों को बढ़ावा दें जो हर किसान की पहुंच में हो सके। साथ ही हर किसान अपने खेत में उसका प्रयोग करने में समर्थ हो। वीसी ने कहा कि एचएयू उत्तर भारत का अपने आप में एक अनूठा विश्वविद्यालय है जहां जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की गई है। इसलिए वैज्ञानिकों का कर्तव्य बनता है कि इस केंद्र के माध्यम से अधिक से अधिक किसानों को जैविक खेती के प्रति प्रेरित व जागरूक किया जाए। जैविक उत्पादों को स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होने के साथ-साथ पौष्टिक, स्वादिष्ट व रसायनों से मुक्त होते हैं। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि अपने शोध प्रयोगों को इस तरह से आगे बढ़ाएं जिसमें आवश्यक सभी विषयों का समन्वय हो ताकि उपभोक्ताओं तक इसकी गुणवत्ता पहुंच सके। इसके अलावा अनुसंधान पहलुओं को टुकड़ों की बजाय एक पूरा पैकेज खोजा जाए जिसमें पैदावार, गुणवत्ता व प्रोसेसिंग शामिल हो। इस अवसर पर अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. नीरज कुमार, परियोजना निदेशक डॉ. सतीश खोखर सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष व वैज्ञानिक भी मौजूद रहे।

फल वाले पौधों के बीच सब्जी व अन्य फसलों का हो अंतकरण

अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने जैविक खेती के लिए सूक्ष्म सिंचाई विधि से फर्टीगेशन करने पर ड्रीपर बंद होने की संभावना का समाधान ढूंढकर, फल वाले पौधों के बीच सब्जी व अन्य फसलों का अंतकरण व विभिन्न फसलों का पूरे साल का फसल चक्र विकसित करने के लिए अनुसंधानों पर ध्यान देने पर जोर डाला। केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार ने विभिन्न प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	21 .07.2021	--	--

जैविक खेती की सभी फसलों की विकसित हों समग्र सिफारिशें, कम जोत वाले किसानों को करें प्रेरित – प्रो. बी.आर. काम्बोज

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 21 जुलाई : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि दिनों दिन जैविक उत्पादों की तरफ आम आदमी का रुझान बढ़ रहा है, लेकिन जैविक खेती की ओर अभी भी कम किसान आगे आ रहे हैं। इसलिए भविष्य में वैज्ञानिक जैविक खेती की सभी फसलों की समग्र सिफारिशें विकसित करें और इसके लिए कम जोत वाले किसानों को भी ज्यादा से ज्यादा प्रेरित किया जाना चाहिए। वे विश्वविद्यालय के दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्ट केंद्र वैज्ञानिकों से समीक्षा बैठक के दौरान संबोधित हो रहे थे। उन्होंने कहा कि जैविक उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखने पर जोर दिया जाना चाहिए और इस प्रकार के शोध कार्यों को बढ़ावा दें जो प्रत्येक किसान की पहुंच में हो सकें। साथ ही प्रत्येक किसान अपने खेत में उसका प्रयोग करने में सक्षम हो। कुलपति ने कहा कि एचएयू उत्तर भारत का अपने आप में एक अनूठा विश्वविद्यालय है जहां जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्ट केंद्र की स्थापना की गई है। इसलिए वैज्ञानिकों का कर्तव्य बनता है कि इस केंद्र के माध्यम से अधिक से अधिक किसानों को जैविक खेती के प्रति प्रेरित व जागरूक किया जाए। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने जैविक खेती के लिए सूक्ष्म सिंचाई विधि के मानकीकरण करने पर, [illegible] होने की संभावना का समाधान ढूंढने, फल वाले पौधों के बीच सब्जी व अन्य फसलों का अंतरफसल व विभिन्न फसलों का पूरे साल का फसल चक्र विकसित करने के लिए अनुसंधानों पर ध्यान देने पर जोर दिया। दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्ट केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार ने केंद्र में चल रहे विभिन्न प्रोजेक्ट के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह केंद्र करीब 150 एकड़ में फैला हुआ है और इसमें बागवानी, सब्जियों के साथ-साथ अन्य फसलों को भी जैविक रूप से तैयार किया जाता है। यह प्रदेश के किसानों को ऑर्गेनिक फसल और सब्जियों को उगाने के प्रति प्रेरित करने में अहम भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर [illegible] अनुसंधान निदेशक डॉ. नीरज कुमार, परियोजना निदेशक डॉ. सतीश खोखर सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष व वैज्ञानिक भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	21 .07.2021	--	--

जैविक खेती के प्रति कम जोत वाले किसानों को करें प्रेरित: प्रो. काम्बोज

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समरघोष	21.07.2021	--	--

जैविक खेती की सभी फसलों की विकसित हों समग्र सिफारिशें: प्रो. कांबोज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कांबोज ने कहा कि दिनों दिन जैविक उत्पादों की तरफ आम आदमी का रुझान बढ़ रहा है, लेकिन जैविक खेती की ओर अभी भी कम किसान आगे आ रहे हैं, इसलिए भविष्य में वैज्ञानिक जैविक खेती की सभी फसलों की समग्र सिफारिशें विकसित करें और इसके लिए कम जोत वाले किसानों को भी ज्यादा से ज्यादा प्रेरित किया जाना चाहिए। वे बुधवार को विश्वविद्यालय के दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र के वैज्ञानिकों से समीक्षा बैठक के दौरान रूबरू हो रहे थे। उन्होंने कहा कि जैविक उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखने पर जोर दिया जाना चाहिए, और इस प्रकार के शोध कार्यों को बढ़ावा दें जो प्रत्येक किसान की पहुंच में हो सके। साथ ही प्रत्येक किसान अपने खेत में उसका प्रयोग करने में समर्थ हो। कुलपति ने कहा कि एचएयू उत्तर भारत का अपने आप में एक अनूठा विश्वविद्यालय है जहां जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की गई है, इसलिए वैज्ञानिकों का कर्तव्य बनता है कि इस केंद्र के माध्यम से अधिक से अधिक किसानों को जैविक खेती के प्रति प्रेरित व जागरूक किया जाए। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दशकों में हमारे देश व प्रदेश में जैविक खेती के प्रति किसानों, कृषि वैज्ञानिकों व आम उपभोक्ताओं का रुझान बढ़ा है। जैविक उत्पादों को स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होने के साथ-साथ पौष्टिक, स्वादिष्ट व रसायनों से मुक्त होते हैं। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि अपने शोध प्रयोगों को इस तरह से आगे बढ़ाएं जिससे आवश्यक सभी विषयों का समाधान हो ताकि उपभोक्ताओं तक इसकी गुणवत्ता पहुंच सके। दीनदयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार ने केंद्र में चल रहे विभिन्न प्रोजेक्ट के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस अवसर पर अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. नीरज कुमार, परियोजना निदेशक डॉ. सतीश खोखर सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष व वैज्ञानिक भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिरसा टूडे	21.07.2021	--	--

जैविक खेती की सभी फसलों की विकसित हों समग्र सिफारिशें, कम जोत वाले किसानों को करें प्रेरित : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार (सिरसा टूडे)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	21.07.2021	--	--

जैविक उत्पादों की तरफ लोगों का रूझान लेकिन किसान कम आगे आ रहे हैं: कुलपति

हिसार/21 जुलाई/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहा कि दिनों दिन जैविक उत्पादों की तरफ आम आदमी का रूझान बढ़ रहा है, लेकिन जैविक खेती की ओर अभी भी कम किसान आगे आ रहे हैं। इसलिए भविष्य में वैज्ञानिक जैविक खेती को सभी फसलों की समग्र सिफारिशें विकसित करें और इसके लिए कम जोत वाले किसानों को भी ज्यादा से ज्यादा प्रेरित किया जाना चाहिए। वे विश्वविद्यालय के दीन दयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र के वैज्ञानिकों से समीक्षा बैठक के दौरान बतौर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जैविक उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखने पर जोर दिया जाना चाहिए और इस प्रकार के शोध कार्यों को बढ़ावा दें जो प्रत्येक किसान की पहुंच में हो सके। साथ ही प्रत्येक किसान अपने खेत में उसका प्रयोग करने में सक्षम हो। कुलपति ने कहा कि एचएयू उत्तर भारत का अपने आप में एक अनूठा विश्वविद्यालय है जहां जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की गई है। इसलिए वैज्ञानिकों का कर्तव्य बनता है कि इस केंद्र के माध्यम से अधिक से अधिक किसानों को जैविक खेती के प्रति प्रेरित व जागरूक किया जाए। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दशकों में हमारे देश व प्रदेश में जैविक खेती के प्रति किसानों, कृषि वैज्ञानिकों व आम उपभोक्ताओं का रूझान बढ़ा है। जैविक उत्पादों को स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होने के साथ-साथ पौष्टिक, स्वादिष्ट व रसायनों से मुक्त होते हैं। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान करते हुए कहा कि अपने शोध प्रयोगों को इस तरह से आगे बढ़ाएं जिसमें आवश्यक सभी विषयों का समावेश हो ताकि उपभोक्ताओं तक इसकी गुणवत्ता पहुंच सके। इसके अलावा अनुसंधान परियोजनाओं को टुकड़ों की बजाय एक पूरा पैकेज बनाया जाए जिसमें पैदावार, गुणवत्ता व प्रोसेसिंग शामिल हो। इस दौरान उन्होंने वैज्ञानिकों को अनुसंधान प्रयोगों में सुधार तथा किसान हितैषी बनाने के लिए कई सुझाव भी दिए। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने जैविक खेती के लिए सूक्ष्म सिंचाई विधि से फर्टीगेशन करने पर ड्रिप बंद होने की संभावना का समाधान ढूंढने, फल वाले पौधों के बीच सब्जी व अन्य फसलों का अंतरवर्ती व विभिन्न फसलों का पूरे साल का फसल चक्र विकसित करने के लिए अनुसंधानों पर ध्यान देने पर जोर डाला। केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार ने केंद्र में चल रहे विभिन्न प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह केंद्र करीब 150 एकड़ में फैला हुआ है और इसमें बागवानी, सब्जियों के साथ-साथ अन्य फसलों को भी जैविक रूप से तैयार किया जाता है। इस अवसर पर अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. नीरज कुमार, परियोजना निदेशक डॉ. सतीश खोखर आदि भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अटल हिंद	23.07.2021	--	--

एचएयू को भेंट किए दो वाटर कुलर, पौधारोपण भी किया गया

अटल हिंद संवाददाता

हिसार / हांसी । चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा का 114 वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्यातिथि मौजूद रहे। इस अवसर पर सभी स्टाफ सदस्यों को बधाई दी और भविष्य में निरंतर प्रगति करने की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि किसी भी बैंक की विश्वशयनीयता तभी कायम होती है तब उसके कर्मचारियों द्वारा उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। इसलिए बैंक की ओर से विश्वविद्यालय के कर्मचारियों, विद्यार्थियों व अन्य उपभोक्ताओं को अच्छी से अच्छी उपलब्ध सेवाएं मुहैया करवाई जानी चाहिए। इस दौरान कुलपति ने बैंक परिसर में पौधारोपण किया। इस दौरान बैंक की ओर से विश्वविद्यालय में बाहरी आगंतुकों के लिए आरओ सहित दो वाटर कुलर भी प्रदान किए गए ताकि उन्हें स्वच्छ व शुद्ध जल मिल सके। इन वाटर कुलरों के रख-रखाव का जिम्मा भी बैंक का ही होगा। ये वाटर कुलर क्षेत्रीय प्रबंधक प्रवीन कुमार सिंह ने कहा कि बैंक कर्मचारी हर समय उपभोक्ताओं को बेहतरीन सेवाएं देने के लिए तत्पर हैं। उन्होंने इस दौरान स्टार्टअप्स स्कीम व अन्य किसी भी प्रकार का व्यवसाय स्थापित करने के लिए बैंक द्वारा उपलब्ध करवाए जाने वाले ऋणों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि युवाओं को स्वरोजगार स्थापित करने व विदेश में शिक्षा ग्रहण करने के लिए बैंक की ओर से बहुत ही सस्ती दरों पर ऋण दिया जाता है।

कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. राजवीर सिंह, कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा, अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, सहायक प्रोफेसर डॉ. सुबोध अग्रवाल, उप-क्षेत्रीय प्रबंधक अंजनी सिंघल, क्षेत्रीय व्यापार प्रबंधक ईशान भुटानी, मुख्य प्रबंधक पालाराम, सुभाष ढाका, सुनील सोनी, नवीन शर्मा, बैंक के शाखा प्रबंधक रवि सिंह सहित अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।